भागीरथपुरा के 18 मृतकों का पोस्टमार्टम क्यों नहीं किया? दो का ही क्यों..?

▶ स्थानीय प्रशासन की गंभीर चूक

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में जहरीले पानी से करीब 20 लोगों की मौत हो गई. इतनी संख्या में मौत होने पर प्रशासन ने सिर्फ दो लोगों का ही पोस्टमार्टम किया है, बाकी 18 लोगों की मौत का कारण पता लगाना उचित नहीं समझा! उक्त मामले में स्थानीय प्रशासन की गंभीर चूक सामने नजर आ रही है. स्थानीय प्रशासन की चूक का खामियाजा कहीं पूरे शहर को नहीं भुगतना पड़ जाए!

भागीरथपुरा क्षेत्र में जहरीले और दूषित पानी पीने से 20 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोगों बीमार पड गए और अभी भी बीमार हो रहे हैं. इतने गंभीर मामले में स्थानीय प्रशासन ने असंवेदनशीलता का प्रमाण दिया है. भागीरथपुरा के 20 मृतकों में से सिर्फ 2 लोगों का ही पोस्टमार्टम किया गया है. ध्यान रहे कि किसी भी घटना दुर्घटना या महामारी के दौरान मृत्यु का कारण पता करने या लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट महत्वपूर्ण मानी जाती है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए शरीर में से विसरा और ऑर्जेनिज्म कल्चर से बॉडी में किस बैक्टेरिया या जीवाणु की घातक उपस्थिति है, मालूम पड़ जाती है. यही कारण है पोस्टमार्टम रिपोर्ट को पुलिस और अन्य चिकित्सा मामले में महत्वपूर्ण माना जाता है. भागीरथपुरा में दूषित और जहरीला पानी से मौत के मामले को स्थानीय प्रशासन ने गंभीरता से नहीं लिया. हादसे में मृतकों की मृत्यु का गहराई से बीमारी या जीवाणु का शरीर में पता लगाने के लिए हर मृतक पोस्टमार्टम करना आवश्यक था. स्थानीय प्रशासन ने सिर्फ दो लोगों का पोस्टमार्टम कर इतिश्री कर ली और 18 मृतकों का पोस्टमार्टम नहीं करवाया. इससे समझा जा सकता है कि प्रशासन के जिम्मेदार भागीरथपुरा क्षेत्र में संक्रमित बीमारी को लेकर कितने जिम्मेदारी से कार्रवाई कर रहे हैं. उक्त मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा को कॉल किया, लेकिन उन्होंने शायद व्यस्तता के कारण कॉल रिसीव नहीं किया.

केवल दो का पोस्टमार्टम: घनघोरिया

एमवाय के अधीक्षक डॉ घनघोरिया ने बताया कि भागीरथपुरा क्षेत्र के 20 मौतों में से सिर्फ दो लोगों का पोस्टमार्टम किया गया है. 18 लोगों का पोस्टमार्टम नहीं किया गया है.

एक्सपर्ट कहते हैं कि पोस्टमार्टम जरूरी है...

सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस.के. पोरवाल ने बताया कि पोस्टमार्टम संदिग्ध अवस्था में मौत होने पर किया जाता है, इससे कारण पता चलता है कि शरीर में कौन से जीवाणु या हानिकारक तत्व मौजूद थे. पोस्टमार्टम में विसरा और ऑर्जेनिज्म कल्चर होने से मृत्यु का स्पष्ट कारण मालूम पड़ जाता है. पोस्टमार्टम और मृतकों का भी होना चाहिए था.

भागीरथपुरा मौतों को लेकर न्याय यात्रा में सभी आमंत्रित : पटवारी

▶ निगम की 2282 करोड़ रुपए की जलमल सौगात पर 20 मौतों का पुरस्कार

नव भारत न्यूज

इंदौर. सरकारी हत्याओं को लेकर न्याय यात्रा निकाली जा रही है. शहर की जनसुरक्षा और सहायता के लिए सभी वर्ग राजनीतिक और गैर सरकारी संगठन से आग्रह है कि वे न्याय यात्रा में शामिल हो. महापौर ने इंदौर की पहचान को मटियामेट कर दिया. मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को इस्तीफा देना चाहिए और मुख्यमंत्री को इस्तीफा लेना चाहिए.

यह बात आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकारों से कही है. इंदौर प्रेस क्लब में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्यप्रदेश प्रभारी एवं एआईसीसी महासचिव हरीश चौधरी ने आज पत्रकारों से चर्चा की. पत्रकारों को विषय की जानकारी पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने दी. इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भागीरथपुरा त्रासदी में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इंदौर को भाजपा ने क्या दिया? संगठित रूप में हत्याओं और प्रशासन और निगम की लापरवाही के कारण हत्या हुई है. पटवारी ने सवाल किया कि इंदौर में कुएं में धंसने से 36 मौत, चूहे कुतरने से बच्चों को मौत, आग लगने से बच्चों के मौत और अब भागीरथपुरा में जहरीले पानी में 20 से ज्यादा लोगों के मौत के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की गई. सरकार बताए? किसी के खिलाफ कोई कारवाई नहीं हुई आज तक. नगर निगम, सांसद, विधानसभा चुनाव में इंदौर की जनता ने भाजपा को भरोसा दिया. भाजपा ने इंदौर को क्या दिया? 2082 करोड़ रुपए की नल जल और मल योजना की सौगात के साथ 20 लोगों की मौत का पुरस्कार. आपने कहा महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इंदौर की पहचान को मटियामेट कर दिया. भाजपा की परिषद में जहर का पानी पीकर लोग मर रहे है। कैलाश विजयवर्गीय के बयान ने इंदौर को शर्मशार कर दिया. इतने गंभीर मामले पर विजयवर्गीय को इस्तीफा क्यों नहीं देना चाहिए? इंदौर की जनता को नलों में जहर और अस्पतालों की चीखें यह दिया है भाजपा ने इंदौर को. पटवारी ने सवाल उठाया कि क्या आवश्यकता थी कलेक्टर को संघ कार्यालय जाने की? जनता के प्रति जवाबदेह है या आरएसएस के प्रति? भ्रष्टाचार का बोलबाला है. नगर निगम के पूरी परिषद और एमआईसी भ्रष्टाचार में लिप्त है. हजारों की संख्या को बीमार हुए है इसके पीछे भ्रष्टाचार मूल कारण है.

भाजपा ने मजदूरी का अधिकार छीना : चौधरी

इंदौर. देश की सर्वश्रेष्ठ मनरेगा योजना को भाजपा ने समाप्त कर दिया. भाजपा ने देश के गांवों में मजदूरी का अधिकार छीन कर प्रचार प्रसार से जी राम जी योजना का महिमा मंडन किया जा रहा है. राम जी के नाम पर मजदूर के अधिकार हनन करना, इससे बड़ा पाप नहीं हो सकता है.

उक्त बात कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव हरीश चौधरी ने पत्रकारों से कही. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कांग्रेस ने गांवों में 100 का रोजगार दिया जा रहा था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

और मध्यप्रदेश से कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने मनरेगा बंद कर दी है. प्रचार प्रसार द्वारा मजदूरों का अधिकार छीन कर झूठा नई योजना का महिमा मंडन किया जा रहा है. देश में पहले राजस्थान में 150 दिन मजदूरी का अवसर मिलता था. मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान सरकार में एक परिवार को 42 दिन रोजगार दिया. राजस्थान में 62 दिन रहा है. भाजपा सरकार कह रही है कि मनरेगा में भ्रष्टाचार हो रहा था, जांच कर किसी को दंडित किया क्या? भ्रष्टाचार हुआ है तो उसके दोषी आप है.

सरकार से निम्न 10 बिंदुओं पर कांग्रेस की मांग

- स्वतंत्र न्यायिक जांच,
- रिटायर्ड जज से न्यायिक जांच
- गैर इरादत हत्या का प्रकरण दर्ज हो
- पूरे शहर का वाटर ऑडिट हो
- शिकायत पर तत्काल निराकरण कैसे हो, यह तय करें।
- सिवरेज और पानी की लाइन अलग हो
- आपदा के समय जनता को सबसे पहले सुरक्षा और सहायता
- पीड़ित परिवारों को 1 करोड़ रुपए मदद की जाए
- प्रशासनिक निष्पक्षता हो
- जल स्वास्थ्य सुरक्षा कानून बनाए

भागीरथपुरा में डायरिया का असर बरकरार, आईसीयू में अब भी 11 मरीज

▶ 414 मरीज भर्ती, 325 स्वस्थ होकर घर गए, 45 अभी अस्पताल में भर्ती

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा क्षेत्र में डायरिया से प्रभावित मरीजों की संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है. शुक्रवार को ओपीडी में 15 नए मरीज सामने आए, जिनमें से 2 को रेफर किया. समाचार लिखे जाने तक कुल 414 मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किए जा चुके हैं, जबकि 325 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं. जबकि 11 मरीज अब भी आईसीयू में इलाजरत हैं. सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसानी ने बताया कि वर्तमान में 45 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें 11 की हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में रखा है. मरीजों के उपचार और परिवहन के लिए क्षेत्र में 2 एम्बुलेंस लगातार तैनात हैं, वहीं 44 मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित किया है. गंभीर मरीजों को एमवाय अस्पताल, अरविंदो अस्पताल और बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल रेफर किया जा रहा है. निजी अस्पतालों में जाने वाले मरीजों को भी निशुल्क इलाज, जांच और दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं. स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुक्रवार को भागीरथपुरा क्षेत्र के 789 घरों में ओआरएस और जिंक की किट वितरित की गई. अब तक कुल 8,786 किट बांटी जा चुकी हैं. साथ ही उल्टी दस्त से बचाव को लेकर प्रचार सामग्री का वितरण भी किया. स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से कहा है कि पानी को कम से कम 20 मिनट उबालकर ठंडा कर ही सेवन करें या प्रेशर कुकर में दो सिटी आने के बाद ठंडा पानी उपयोग में लें, ताकि संक्रमण से बचा जा सके.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वच्छ जल अभियान का करेंगे शुभारंभ

▶ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ शुरू होगा अभियान

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को शाम 5 बजे मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से स्वच्छ जल अभियान का शुभारंभ करेंगे. यह अभियान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ शुरू होगा. अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रदेश के महापौर, नगरपालिका निगम, नगरपालिका परिषद, नगर पंचायतों के अध्यक्ष, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के राज्य एवं जिला स्तर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे. अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल गुणवत्ता का व्यापक परीक्षण करना है. साथ ही जल आपूर्ति प्रणाली में लीकेज, दूषित जल की पहचान कर समय पर सुधार करना, जिससे जल-जनित बीमारियों से बचाव हो सके.

एक नजर में

वर्धमान स्कूल के विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

इंदौर. वर्धमान हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित 33वें वार्षिक उत्सव वर्धमान गौरवोत्सव में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती शीतल टांक (बीएसी, इंदौर शहरी-2) थीं तथा अध्यक्षता डायरेक्टर डीके गांधी ने की. प्राचार्य मोहित गांधी एवं उप-प्राचार्या श्रीमती दर्शना गांधी की उपस्थिति में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पुरस्कार प्राप्त किया.

वीर बाल दिवस पर स्कूली बच्चों ने निकाली रैली

महू. वीर बाल दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद और पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल की संयुक्त देखरेख में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य वीर बाल शहीदों के अद्वितीय बलिदान को स्मरण कर नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, साहस और त्याग की भावना को मजबूत करना रहा. रैली में बच्चों ने देशभक्ति के नारों और तख्तियों के माध्यम से वीर बाल शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया. दोपहर में पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल के निदेशक इंद्रजीत सिंह खंडूजा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया. शाम को जय गोविन्द गोपीनाथ स्कूल में पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल के कलाकारों द्वारा वीर बाल दिवस पर आधारित विशेष लाइट एवं साउंड नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया. इसमें साहिबजादों के बलिदान की गाथा को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया. इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक ऊषा ठाकुर, जनपद अध्यक्ष सरदार मालवीय, वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र अंजना, युवा मोर्चा नगर उपाध्यक्ष पंकज जोशी के साथ ही अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

सातेर-किशनगंज मार्ग की नई पुलिया पर अंधेरा बना खतरा

महू. सातेर-किशनगंज मार्ग पर नवनिर्मित पुलिया का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और इस पर आम नागरिकों तथा वाहनों की आवाजाही भी शुरू हो गई है. पुलिया के आसपास फिलहाल मिट्टी एवं मुरम डालने का कार्य जारी है, जिससे दिन में तो यातायात सुचारू रूप से चल रहा है, लेकिन रात्रि के समय यहां अंधेरा लोगों के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है. पुलिया तथा उसके आसपास किसी प्रकार की विद्युत व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट या हैलोजन नहीं लगाए गए हैं, जिससे रात में आने-जाने वाले वाहन चालकों को सड़क व पुलिया का सही अनुमान नहीं लग पाता. कई बार वाहन अचानक उबड़-खाबड़ हिस्सों या अधूरे किनारों पर पहुंच जाते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है. चूंकि पुलिया को अब लगभग पूर्ण रूप से चालू कर दिया गया है और दोनों ओर से आवागमन बढ़ गया है, ऐसे में यदि समय रहते प्रकाश व्यवस्था नहीं की गई तो किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि तत्काल पुलिया एवं उसके आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराई जाए.

3.50 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नारकोटिक्स सेल इंदौर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 35.80 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जब्त एमडी की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 3 लाख 50 हजार बताई जा रही है.

उप पुलिस अधीक्षक संतोष हाड़ा के मार्गदर्शन में गठित टीम को इस संबंध में मुखबिर से सूचना मिली थी. सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 26 वर्षीय शाकिर उर्फ बल्लू पिता शफीउल्लाह, निवासी वार्ड क्रमांक 1, मकान नंबर 95, सुसनेर जिला आगर और उसके साथी 25 वर्षीय अल्फेज खान पिता समीउल्लाह खान, निवासी वार्ड नंबर 3, हवेली गली, सुसनेर जिला आगर को पकड़ा. तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के कब्जे से 35.80 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई. मामले में नारकोटिक्स थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है. नारकोटिक्स विंग आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क और सप्लाई चेन की जांच में जुटी है.

इनकी रही विशेष भूमिका...

इस कार्रवाई में थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर के निरीक्षक हरीश सोलंकी, उप निरीक्षक आरती कटियार, प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश राठौर, पंकज जायभाय, आरक्षक अमीत सोलंकी, भूषण कामले, राजरतन टायड़े, प्रदीप पाल और आरक्षक चालक सुनील चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

क्रेडिट कार्ड अपडेट के नाम पर 2.47 लाख ऐंठे

इंदौर. शहर में साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं. एरोड्रम क्षेत्र में एक व्यक्ति से खुद को बैंक अधिकारी बताकर ठग ने क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर 2.47 लाख रुपये निकाल लिए.

एरोड्रम टीआई वरुण सिंह भाटी ने बताया कि फरियादी रमेश यादव, उम्र 46 वर्ष, निवासी 37 स्मृति नगर, छोटा बागड़दा रोड, इंदौर ने शिकायत दर्ज कराई है. फरियादी ने पुलिस को बताया कि 4 दिसंबर को किसी अज्ञात व्यक्ति ने खुद को एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट का अधिकारी बताते हुए संपर्क किया. बातों में उलझाकर ठग ने फरियादी के क्रेडिट कार्ड से अलग अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 2 लाख 47 हजार रुपये निकाल लिए.

घटना की जानकारी मिलने पर फरियादी ने बैंक से संपर्क किया, तब धोखाधड़ी का खुलासा हुआ. पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. साइबर सेल की मदद से मोबाइल नंबर, कॉल डिटेल और बैंक ट्रांजैक्शन के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है

निर्माणाधीन मकानों से लाखों का वायर चोरी, दो शातिर पकड़ाए

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र के राजाराम एवेन्यू तुलसी नगर में निर्माणाधीन मकानों से लाखों के बिजली वायर चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. दोनों आरोपियों को उज्जैन बायपास पर सिटिंगजोन ढाबा के पास से पकड़ा है. आरोपियों के कब्जे से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत के 25 बंडल बिजली वायर और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की गई है.

थाना प्रभारी तारेश कुमार सोनी ने बताया कि फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि राजाराम एवेन्यू तुलसी नगर स्थित मकान नंबर 9, 10 और 11 का निर्माण कार्य चल रहा है. साइट पर इलेक्ट्रिक वायरिंग के लिए मंगवाए गए वायर के बंडल और अन्य इलेक्ट्रिक सामग्री अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए. फरियादी की रिपोर्ट पर

पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की. टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्य जुटाए. इसी बीच सूचना मिली कि दो युवक चोरी किए गए वायर के बंडल बेचने के लिए उज्जैन जा रहे हैं. सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उज्जैन बायपास स्थित सिटिंगजोन ढाबा के पास से दोनों को दबोच लिया.

आरोपियों पर उज्जैन जिले में दर्ज हैं कई प्रकरण

पूछताछ में आरोपियों ने लसूडिया क्षेत्र से चोरी करना कबूल किया, साथ ही अन्य स्थानों पर भी इसी तरह की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की. गिरफ्तार आरोपियों में बलराम जाट पिता बाबूलाल जाट (28), निवासी छोटी मायापुरी उज्जैन और अमन पिता गोपाल राठौर (23), निवासी अंबर कॉलोनी उज्जैन शामिल हैं. पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है और उनसे अन्य चोरी के मामलों को लेकर पूछताछ की जा रही है. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी उज्जैन जिले के विभिन्न थानों में चोरी के कई प्रकरण दर्ज हैं.

एक नजर में ▶ कई वर्षों पुरानी है दूषित पानी की समस्या, जानबूझकर किया जा रहा अनदेखा

स्वर्ण बाग कॉलोनी में नलों से गंदा और कीड़े युक्त पानी आ रहा

इंदौर. अव्यवस्था और दूषित पानी को लेकर पिछले कुछ दिनों से शहर में हाहाकार मचा हुआ है. हालांकि, दूषित पानी की समस्या कई वर्षों पुरानी है, जिस पर जानबूझकर अनदेखी की गई है और करोड़ों के बजट को आरपार कर दिया गया. वर्षों से चली आ रही मूलभूत समस्याओं पर उचित ध्यान नहीं दिया गया है. जब नागरिक बुनियादी सुविधाओं, जैसे स्वच्छ पानी से वंचित होते हैं, तो यह सीधे तौर पर जन स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है. यह आवश्यक है कि प्रशासन इन समस्याओं को प्राथमिकता दे और यह सुनिश्चित करे कि आवंटित बजट का उपयोग नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी ढंग से किया जाए.

भागीरथपुरा कांड के बाद वार्ड क्रमांक 37 से भी दूषित पानी की समस्या सामने आई है. यह वार्ड पूर्वी रिंग रोड के पश्चिम क्षेत्र से एमआईजी चौराहा के बीच में पड़ता है. वार्ड के स्वर्ण बाग कॉलोनी के रहवासियों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में दूषित पानी की समस्या बनी हुई है, जिसका निराकरण आज तक नहीं हो पाया है. रिंग रोड के नजदीकी पडने वाली पहली गली के रहवासी बताते हैं कि सुबह पौन घंटे नल चलते हैं, जिसमें से 15 मिनट पानी दूषित आता है, बाकी पानी को पीने योग्य बनाया जाता है. अगर पानी की किल्लत क्षेत्र में बढ़ती है तो लोग बोरिंग से पानी लेते हैं. बोरिंग पर अधिक भार होने के कारण कई बार मोटर जल जाती है और कई-कई दिनों तक ठीक नहीं कराई जाती परिणामस्वरूप बोरिंग भी बंद पड़ा रहता है. ऐसी स्थिति में रहवासियों को आसपास के क्षेत्र में जाकर पानी की व्यवस्था करना पड़ती है.

यह बोले स्वर्ण बाग कॉलोनी के रहवासी...

पहले इतना गंदा पानी आता था कि सभी बोरिंग पर निर्भर थे, अभी 7 से 7.45 बजे तक नल आते हैं, जिसमें शुरुआत में बहुत ज्यादा दूषित पानी आता है, फिर बाद में साफ पानी आता है.

- विजय सिंह

दूषित पानी के बाद यूं तो साफ पानी आने लगता है, परंतु उसमें भी कई बार कीड़े नजर आते हैं. दूषित पानी की समस्या को देखते हुए आशंका है कि बहुत जल्दी भागीरथपुरा जैसी घटना यहां भी हो सकती है.

- गौतम राजपूत

नलों से बहुत ही ज्यादा बदबूदार पानी आता है, जिसमें कीड़े बिलबिलाते रहते हैं. साफ पानी में कीड़े नजर नहीं आते. पानी को इस्तेमाल करने के लिए उसे उबालकर रखते हैं. इस समस्या का जल्दी से जल्दी निराकरण होना चाहिए.

- आनंद राजपूत

तुरंत पाइप लाइन चेक करवाकर समस्या का निराकरण किया जाएगा

दूषित पानी को लेकर जहां से भी शिकायत आती है, हम चेक करवाते हैं. आप जिस स्थान का बता रहे हैं, वहां लोगों से बात कर तुरंत पाइप लाइन चेक करवाई जाएगी, ताकि समस्या का निराकरण जल्दी हो सके.

- संगीता जोशी, पार्षद